प्रेस वज्ञप्ति

दिनांक: 25 सतंबर, 2018

राष्ट्रीय ई- वधान ऐपलीकेशन सदनों की कार्यवाहियों को डजिटल बनाकर देश के सभी वधानमंडलों के कार्यचालन को कागज रहित बनाने के लए संसदीय कार्य मंत्रालय की एक पहल है। यह एक बटन दबाकर नागरिकों को सदन के कार्यचालन के बारे में सूचना उपलब्ध कराने का एक प्रयास है। नेवा वेबसाइट के साथ नेवा की **iOS** और गूगल ऐप एक समान रूप में देश में सभी वधानमंडलों के कार्य से संबं धत आंकड़ों के निक्षेपागार के रूप में काम करेगा। इसका उद्देश्य "एक राष्ट्र, एक ऐपलीकेशन" होने की अपनी क्षमता को चरितार्थ करना है। डाटाबेस की यह एकरूपता सरकार के साथ नागरिकों के आसान और प्रभावी अनुबंध में परिणत होगी। नेवा वधानमंडलों के कार्यचालन को हमारे नागरिकों के करीब लाकर लोकतंत्र को उनके करीब लाएगी। नेवा वधानमंडलों को नागरिकों के नजदीक लाएगा और ऐसा करते हुए यह लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक निर्णायक कदम होगा।

इस कार्यक्रम का लक्ष्य व भन्न राज्य सरकार के वभागों के साथ सूचना आदान-प्रदान के लए सभी प्र क्रयाओं को सरल और कारगर बनाकर सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के वधानमंडलों को कागज रहित बनाना और सूचना को वास्त वक समय में पब्लिक पोर्टल पर प्रका शत करना है। कार्य प्र क्रया की पुनर्रचना आरंभ करने से यह सेवाओं के सफल परिदान में परिणत होगा और सभी हितधारकों की वश्वसनीयता, दक्षता, पारद र्शता और उत्तरदायित्व सुनिश्चित करेगा। एक बार जब कार्यक्रम चालू हो जाएगा, **40** वधानमंडलों के **5379** सदस्यों का ववरण पोर्टल पर अपलोड कया जाएगा। वधानमंडलों के **113337** प्रश्न, **25662** नोटिस, **1708** वधेयक, **515** स मतियों के प्रतिवेदन और **10043** कागज-पत्र नेवा ऐप और वेबसाइट पर पब्लिक डोमेन में उपलब्ध हो जाएंगे।

नेवा ऐपलीकेशन का खुलासा करने और ऐप का कार्य करने का तरीका दर्शाने के लए, संसदीय कार्य मंत्रालय के त्तवावधान में **24-25** सतंबर को संसदीय ग्रंथालय भवन, नई दिल्ली में राष्ट्रीय ई- वधान ऐपलीकेशन (नेवा) पर दो दिन की एक अ भ वन्यास कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यशाला में लोक सभा और राज्य सभा स चवालय सहित देश के **36** वधानमंडलों का प्रतिनि धत्व करते हुए **29** राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों से **200** से ज्यादा प्रतिभा गयों ने भाग लया।

यह उस श्रंखला की पहली कार्यशाला थी जिसकी योजना संसदीय कार्य मंत्रालय द्वारा नेवा की प्रभावी शुरूआत के लए बनाई गई है। कार्यशाला का उद्घाटन श्री अर्जुन राम मेघवाल, संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री द्वारा कया गया था। प्रतिभा गयों को अपने संबोधन में उन्होंने सरकार के डजिटल इं डया अ भयान के आलोक में नेवा के अंगीकरण की आवश्यकता पर जोर दिया। इस अवसर पर संसदीय कार्य मंत्रालय की नई वेबसाइट का शुभारंभ भी कया गया। सुश्री नीता वर्मा, महानिदेशक, एन.आई.सी. ने इस अवसर पर आधार व्याख्यान दिया।

इन दो दिनों की अव ध में, गण्यमान्य व्यक्तियों और वशेषज्ञों द्वारा नेवा की वशेषताओं के संबंध में महत्वपूर्ण व्याख्यान दिए गए और संवादात्मक सत्र आयोजित कए गए। ऐपलीकेशन के प्रयोगात्मक प्रदर्शन सहित तकनीकी सत्र भी आयोजित कए गए। एन.आई.सी. के वशेषज्ञों के सत्रों में नेवा ऐपलीकेशन के क्लाउड फर्स्ट और मोबाइल फर्स्ट आ र्कटेक्चर के बारे में बताया गया। हिमाचल प्रदेश वधानसभा के साथ एक अनुभव साझाकरण सत्र भी आयोजित कया गया जिसमें परियोजना के कार्यान्वयन के लए जिम्मेदार टीम ने परियोजना को कार्यान्वित करने फायदों के साथ-साथ उसकी चुनौतियों पर चर्चा की। सामूहिक चर्चा के माध्यम से प्रतिभा गयों के सभी प्रश्नों के जवाब देने का प्रयास कया गया। नेवा के त्वरित कार्यान्वयन पर सहमति बनकर उभरी।

स चव, संसदीय कार्य मंत्रालय, श्री सुरेन्द्र नाथ त्रिपाठी ने बताया क नेवा ऐपलीकेशन सदस्य केंद्रित, प्रयोगकर्ता अनुकूल है और अच्छी तरह से डजाइन कया गया है। उन्होंने जोर दिया क यह केवल एक शुरूआत थी और संसदीय कार्य मंत्रालय हर एक कदम पर राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की लगातार मदद करेगा। उन्होंने कहा क सुचारू रूप से नए डजिटल प्लेटफार्म पर जाने के लए हर कदम पर सहायता मुहैया कराने के लए एक सम र्पत नेवा टीम बनाई गई है।

समापन समारोह की अध्यक्षता श्री वजय गोयल, संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री और श्री अ मताभ कांत, सी.ई.ओ., नीति आयोग द्वारा की गई। श्री अ मताभ कांत ने इस पहल की सराहना की और नागरिकों को वधानमंडलों के कार्यचालन के संबंधी सूचना की आसान और कार्यसाधक पहुंच सुनिश्चित करने में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में इसका स्वागत कया। श्री वजय गोयल ने राज्यों से नेवा को खुले हाथों से अपनाने का अनुरोध कया और प्रतिभा गयों से अपने गृह राज्यों में वापस जाने पर नेवा के मुखतार बनने का आह्वान कया। इस परियोजना को जल्द अपनाने में कए गए उत्कृष्ट कार्य के लए तीन राज्यों अर्थात पंजाब, गुजरात और कर्नाटक का सम्मानित कया गया।

संयुक्त स चव, डॉ. सत्य प्रकाश ने अपने धन्यवाद प्रस्ताव के साथ कार्यक्रम का समापन कया।